सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय,अजमेर

छात्रा परिषद् एवं महिला प्रकोष्ठ (नवम्बर माह का प्रतिवेदन)

प्रभारी – डॉ. प्रीति माथुर

14 नवम्बर,2022 Awareness about creation of self help Group(SHG)

एक ही सामाजिक.आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों का ऐसा स्वैच्छिक संगठन स्वयं सहायता समूह ; कहलाता है जिसके सदस्य एक.दूसरे के सहयोग के माध्यम से अपनी साझा समस्याओं का समाधान करते हैं।स्वयं सहायता समूह ; का प्रमुख कार्य गरीबों की कार्यात्मक क्षमता का निर्माण करने के साथ.साथ रोजगार और गतिविधियाँ प्रदान करना है जिससे वे आय उत्पन्न कर सकें। यह सामूहिक नेतृत्व और आपसी चर्चा से मुद्दे को सुलझाने में विश्वास रखता है। **स्वयं सहायता समूह से की कार्य योजना**

स्वयं सहायता समूह से क्या लाभ हैं? तथा इसकी योजनाएं व ग्रुप कैसे बनाए जाए आदि विषयों पर डॉ लता अग्रवाल व डॉ रश्मि शर्मा ने व्याख्यान के द्वारा विस्तार से बताया साथ ही छात्राओं के साथ संवाद कर जागरूक किया गया।

15 नवम्बर,2022 **Information About MSME**

एसपीसी जीसीए • स्टार्टअप के लिए मिलेगी 6 सप्ताह की ट्रेनिंग

बेटियों को सिखाएंगे पुराने से नए कपड़े बनाने और बेचने का हुनर

एजुकेशन रिपोर्टर | अजमेर

एसपीसी जीसीए में विद्यार्थियों और ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को इंटरप्रिन्योर बनाने के लिए राज्य सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ एमएसएमई के सहयोग से ट्रेनिंग शुरू की जाएगी। 6 सप्ताह की यह ट्रेनिंग बेटियों के ...नए ही होगी। जिसमें वेस्ट क्लॉथ ... नई डिजाइनिंग के साथ पार्टी ...यर कपड़े बनाने का हुनर सिखाया ...एगा।

डॉ. सीमा गर्ग।

यह स्टार्टअप महज 15 से 20 ...ार रुपए में घर से शुरू किया सकता है। ट्रेनिंग के दौरान पुराने ...ड़ों से नए कपड़े बनाने के साथ इन्हें बाजार में बेचने तक की जानकारी दी जाएगी। इस प्रोजेक्ट की कन्वीनर एसोसिएट प्रोफेसर सीमा गर्ग हैं। वह बताती हैं कि ओल्ड क्लॉथ रीडिजाइन "विरासत' कोर्स के तहत पुरानी बनारसी साड़ियों और अन्य कपड़ों को लेकर नई डिजाइन के साथ पार्टी वियर कपड़े तैयार किए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट को एमएसएमई विभाग को भेजा गया था। इसे कॉलेज के स्किल डेवलपमेंट सेल के जरिये किया जाएगा।

इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए गए हैं। इसमें ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को भी शामिल किया जाएगा। राज्य सरकार की एमएसएमई मिनिस्ट्री से इसके लिए दो लाख रुपए का अनुदान भी मिलेगा। प्रशिक्षण निशुल्क होगा। हाजिरी बायोमैट्रिक्स से होगी। इसलिए रजिस्टर्ड सभी अभ्यर्थियों को 6 सप्ताह का कोर्स पूरा करना होगा।

15-20 हजार रुपए का खर्च

डॉ. सीमा गर्ग ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद बेटियां अपने घरों से यह स्टार्टअप शुरू कर सकती हैं। इसमें 10 हजार रुपए की सिलाई मशीन, धागे, कपड़ों और अन्य सामग्री के लिए 15 से 20 हजार रुपए का खर्च आएगा। एक ड्रेस बनाने में 200 से 300 रुपए का खर्च आएगा लेकिन इसकी कीमत बाजार में ढाई हजार से तीन हजार रुपए तक होगी। यानी सीधा दस गुना तक का फायदा होगा। कॉलेज में प्रशिक्षण की शुरुआत कॉलेज में 12 दिसंबर 2022 से की जाएगी। प्रशिक्षण के बाद अभ्यर्थियों द्वारा बनाए गए कपड़ों की एग्जिबिशन भी लगाई जाएगी और कपड़ों का ऑक्शन भी होगा।

16 नवम्बर,2022 Lectures on various skill development programme

The schemes for skill development in India are as follows: **Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana**. **Skills Acquisition and Knowledge Awareness for Livelihood Promotion (SANKALP) UDAAN**.

Skills relating to personality and tend to be transferable, such as **communication, leadership, time management, stress management, decision making, adaptability, ability to deal with adversity, and networking**.

There are three types of skills: **functional, self-management and special knowledge**. Functional skills are abilities or talents that are inherited at birth and developed through experience and learning. Examples are: making decisions, repairing machines or calculating taxes.

Faculty members and students shared the ideas of various skill development programs in this program organized in conjunction with in-charge Dr. Preeti Mathur.

19 नवम्बर, 202 Frequently arrangeing Lectures of Managers of Bank and Industry Officers

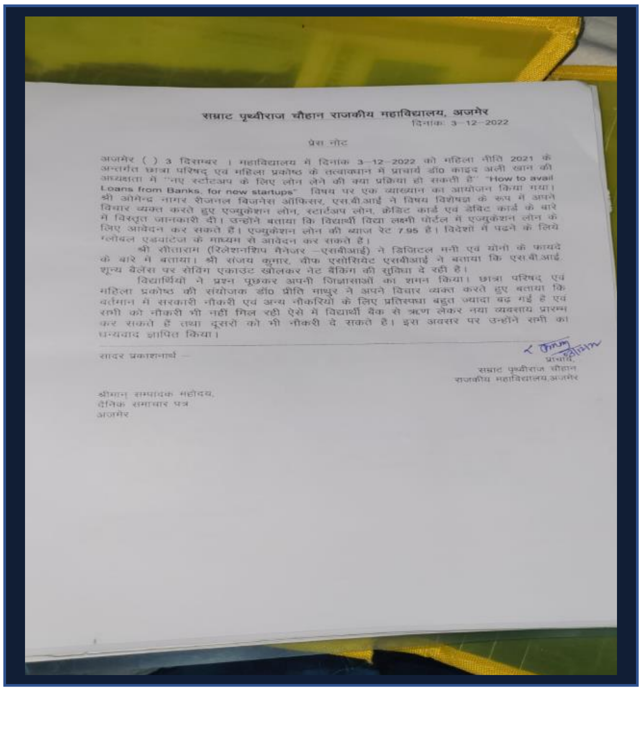

सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

दिनांक: 3-12-2022

प्रेस नोट

अजमेर ( ) 3 दिसम्बर । महाविद्यालय में दिनांक 3-12-2022 को महिला नीति 2021 के अन्तर्गत छात्रा परिषद् एवं महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में प्राचार्य डॉ0 काइद अली खान की अध्यक्षता में "नए स्टॉटअप के लिए लोन लेने की क्या प्रक्रिया हो सकती है" "How to avail Loans from Banks, for new startups" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। श्री ओमेन्द्र नागर रीजनल बिजनेस ऑफिसर, एस.बी.आई ने विषय विशेषज्ञ के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए एज्युकेशन लोन, स्टार्टअप लोन, क्रेडिट कार्ड एवं डेबिट कार्ड के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी विद्या लक्ष्मी पोर्टल में एज्युकेशन लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं। एज्युकेशन लोन की ब्याज रेट 7.95 है। विदेशों में पढने के लिये ग्लोबल एडवांटेज के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

श्री सीताराम (रिलेशनशिप मैनेजर –एसबीआई) ने डिजिटल मनी एवं योनो के फायदे के बारे में बताया। श्री संजय कुमार, चीफ एशोसियेट एसबीआई ने बताया कि एस.बी.आई. शून्य बैलेंस पर सेविंग एकाउंट खोलकर नेट बैंकिंग की सुविधा दे रही है।

विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का शमन किया। छात्रा परिषद् एवं महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ0 प्रीति माथुर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि वर्तमान में सरकारी नौकरी एवं अन्य नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ गई है एवं सभी को नौकरी भी नहीं मिल रही ऐसे में विद्यार्थी बैंक से ऋण लेकर नया व्यवसाय प्रारम्भ कर सकते हैं तथा दूसरों को भी नौकरी दे सकते है। इस अवसर पर उन्होंने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सादर प्रकाशनार्थ –

प्राचार्य,
सम्राट पृथ्वीराज चौहान
राजकीय महाविद्यालय,अजमेर

श्रीमान् सम्पादक महोदय,
दैनिक समाचार पत्र
अजमेर

नए स्टार्टअप के लिए लोन प्रक्रिया समझाई

अजमेर | सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय कॉलेज अजमेर में शनिवार को महिला प्रकोष्ठ और छात्रा परिषद के तत्वावधान में नए स्टार्टअप के लिए लोन लेने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। यह आयोजन महिला नीति 2021 के तहत किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. काईद अली खान ने की। हाऊ टू अवाइल लोन फ्रॉम बैंक फॉर न्यू स्टार्टअप विषय पर हुए इस आयोजन में एसबीआई के रीजनल बिजनेस ऑफिसर ओमेंद्र नागर बतौर विशेषज्ञ शामिल हुए। उन्होंने एजुकेशन लोन, स्टार्टअप लोन, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी विद्या लक्ष्मी पोर्टल में एजुकेशन लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं। एजुकेशन लोन की ब्याज रेट 7.95 है। विदेशों में पढ़ने के लिये ग्लोबल एडवांटेज के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। एसबीआई के रिलेशन मैनेजर सीताराम ने डिजिटल मनी और योनो के फायदे की जानकारी दी। चीफ एसोसिएट संजय कुमार नें बताया कि जीरो बैलेंस पर सेविंग अकाउंट खोलकर नेट बैंकिंग की जानकारी दी। छात्रा परिषद और महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. प्रीति माथुर ने भी संबोधित किया।

26 नवम्बर,2022 संविधान दिवस

An essay Competition was held on 26th November 2022,Topic was

Contribution of Dr. Ambedkar in the Unity and Intigrity of the Nation

26 नवंबर 2022 को सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर में संविधान दिवस के उपलक्ष में प्राचार्य डॉ काईदअली खान की अध्यक्षता में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । छात्रा परिषद एवं महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ प्रीति माथुर ने बताया कि आज 26 नवंबर 2022 को महाविद्यालय में राष्ट्र की एकता और अखंडता में अंबेडकर का योगदान विषय पर जिला एवं राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन 11 बजे से 1 बजे तक किया गया । प्रतियोगिता में लगभग 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ अर्चना भार्गव, डॉ उर्मिला पारीक, डॉ ललिता शर्मा , डॉ फरखंदा ,डॉक्टर लता अग्रवाल ,डॉक्टर रश्मि शर्मा डॉक्टर सीमा गर्ग व आदि सभी की उपस्थिति में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई।

संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक न्याय मंत्रालय ने 19 नवंबर 2015 को 26 नवंबर के दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया था। संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देश के हर नागरिक को होए इसलिए इस दिन को मनाया जाता है।26 नवंबर संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। संवैधानिक मूल्यों को प्रमोट करने के लिए सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट मंत्रालय ने संविधान दिवस मनाने का फैसला किया था. बता दें राष्ट्रीय संविधान दिवस को राष्ट्रीय कानून दिवस और भारतीय संविधान दिवस के नाम से भी जाना जाता है. देश की संविधान सभा ने मौजूदा संविधान को विधिवत रूप से 26 नवंबर 1949 को स्वीकार किया था. हालांकि स्वीकार करने के दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया था. इस वजह से 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रस्तावना (शपथ)

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए और उसके सभी नागरिकों को सुरक्षित करने के लिए:

न्याय , सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और पूजा की **स्वतंत्रता ;**

स्थिति और अवसर की **समानता ;**

और उन सभी के बीच व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुनिश्चित करने वाली **बंधुता** को बढ़ावा देना ;

हमारी संविधान सभा में नवंबर, 1949 के इस छब्बीसवें दिन, **इसके द्वारा इस संविधान को अपनाएं, अधिनियमित करें और स्वयं को दें**

प्रभारी,

डॉ. प्रीति माथुर

छात्रा परिषद् एवं महिला प्रकोष्ठ

सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर